विचार बिन्दु

चतुराई दरबारियों के लिए गुण है, साधुओं के लिए दोष। –शेख सादी

नए उभरते राजनीतिक कार्यकर्ताओं के लिए (व्यंग मात्र)

राजनीतिक निर्णय, युवा, वृद्ध, अमीर, गरीब, मजदूर, किसान, व्यापारी, प्रोफेशनल्स, सेवा प्रदाता अर्थात सभी वर्गों को प्रभावित करते है। अमीरों को कुछ कम और गरीबों, मजदूरों, माध्यम वर्ग को कुछ ज्यादा। हर वर्ग के व्यक्ति थोड़ी बहुत रुचि राजनीति में रखते है।

महंगाई, लचर कानून व्यवस्था, लचर न्याय व्यवस्था से भी हर वर्ग प्रभावित-दुष्प्रभावित है। युवाओं के समक्ष बेरोजगारी बड़ी समस्या है। इन सब का समाधान राजनीतिक निर्णयों में ही है।

इस सारी ऊहापोह की स्थिति में बहुत से युवा राजनीतियों की चमक-दमक से आकर्षित होकर, राजनीति में ही अपना भविष्य तलासने और तरासने लगे है।

युवा साथियों, यदि आपको राजनीति के जंगल में सफल होना है तो कुछ बुनियादी शर्तें है।यदि आपने उनको समझ लिया, आत्मसात कर लिया तो आप बहुत आगे न भी जा पाओ तो भी सरपंच, प्रधान, प्रमुख, एमएलए तो बन ही सकते हो।

नीचे कुछ बानगी है उन अनिवार्य शर्तों की:-

सर्वप्रथम 1, 2 ठीक-ठाक पद पर बैठे, नेताओं को चुने और येन-केन प्रकारेण, मौके-बिना मौके उनकी नजरों के सामने रहने का, कोई मौका नहीं चुकें। उनके जन्मदिन पर अपने गांव, मोहल्ले में और जहां नेताजी की नजर पड़े ऐसी किसी बड़ी जगह, नेताजी का बड़ी तस्वीर वाला पोस्टर लगाए।

आपकी पॉकेट वजन हो। एक बड़ी सी गाड़ी में 5, 10 लोगों को हरदम, खिला-पिला कर साथ रखने का मादा हो। यदि इस फ़ौज में कोई लाइसेंसी,.गैरलाइसेंसी बंदूकधारी भी हो तो सोने में सुहाग। यह अपरोक्ष रूप से आपकी निजी सेना है जो आपके इशारों पर नाचें।

आदर्शवादी विचारधारा का अपना महत्व है किंतु उस वजनी पोटली को आप सर पर रख कर नहीं डोलना। यह काम कुछ बड़े केंद्रिय, राज्य स्तरीय नेताओं द्वारा विशेष अवसरों पर बोलने के लिए है। यह उनका ही विशेषाधिकार है, इसमें अतिक्रमण नहीं करना।

नेताजी नें यदि रात को दिन कह दिया तो आपको उसे सिद्ध करने के लिए जायज-नाजायज सब सीमा लांघनी हैं। नेताजी के यदि कहें कि ताली और थाली बजानी हैं या मोमबत्तियां जलानी हैं तो पूरा शहर न सही मोहल्ले में तो रात और दिन आसमान गूंजना ही चाहिए। आप मोमबत्तियां रात के साथ दिन में भी जलाएं।

आजकल बहुत से जुमले, नैरेटिव्स, नए-नए विषय नेताओं की जुबान पर है। इन में से कुछ आप चुनिए और उन के पक्ष या विपक्ष में, बेहिचक कुछ भी तथ्यात्मक अथवा अनर्गल बोलने की कला, क्षमता विकसित करें। बोलने में लंग पावर का इतना उपयोग जो कि सामने वालों की आवाज कोई सुन ही नहीं पाए।

इतिहास को अपनी सुविधानुसार तोड़ने-मरोड़ने–अर्थ का अनर्थ करने की क्षमता हासिल करो।

कर्म करने वाले सबसे नीचे व कर्मकांड करने वाले सबसे उपर क्यों,यह कभी नहीं पूछना? दलित स्वर्ण समस्या पर भूल कर भी नही बोलना। कर्मकांड दिन दूने रात चौगुने फलें-फूलें किन्तु इस झगड़े में नहीं कूदना।

इतिहास पॉलिटिशियन्स के लिए बड़े काम की चीज सिद्ध हो रही है। हिंदुस्तान के पुराने जातीय-साम्प्रदायिक सूरमाओं को इतिहास के विदेशी आक्रांताओं व देशी खलनायकों नें जो कुछ नही करने दिया या नहीं कर सके, उसे अब करने का उद्घोष करो। इतिहास की किताबों से सारी असुविधाजनक सामठी जो चाहे तथ्यपरक ही क्यों न हो उसे भी हटा डालो या ऐसा करने का वादा करो। इतिहास से गड़े मुर्दे निकाल कर, शहरों, गांवों, सड़को के नाम बदलने के वादे करो। पुरानी ऐतिहासिक, प्रसिद्ध इमारतों में भिन्न धर्मों के अवशेष, कलात्मक स्तम्भ, तोरणद्वार आदि होने की घोषणा कर डालो।

कभी-कभी 2, 4 मसल मैन के साथ भीड़ में घुसो और लोगों का धर्म पूछो, जोर-जोर से जयकारे करवाओ, न करे उसे ऐसा पाठ पढ़ाओ कि लोग आपकी सेना के समक्ष, कभी न कहने का साहस भी न करें।

धर्म संसद आयोजित करो, कुछ बाबा लोगों को बुलाओ। कुछ ऐसा नया एलान कराओ की बवाल पैदा हो और टीवी एंकर्स उसे लपक लें। जैसे ज्ञानवापी में शिवलिंग मिल गया है, किसी को उसे फव्वारा बोलने ही मत दो।

मीडिया में एक तरफा गलत, भ्रामक खबरें बेहिचक चलवाने, वोट के गणितानुसार सामाजिक-जातीय-साम्प्रदायिक वैनस्य फैलाने और झूठ बोलने में महारत हासिल करो। जनता में रोबदोब जमाने के लिए तलवार-त्रिशूल-डंडे-गंडे-टोपी-पजामा-शेरवानी वाली सेनाए बनाओ और लड़ने भिड़ने को तैयार रखो।

वर्तमान संविधान बनाम पुरातन भारतीय शास्त्रों पर आधारित नया विधान निर्माण तथा कानून आधारित न्याय बनाम बुलडोजर से नव-त्वरित-ऑन्सपोट न्याय पर बहस करो, कराओ।

आपकी सुविधा के लिए, आज कल चलने वाले कुछ पॉपुलर मुद्दे नीचे हैं, आपको इनके पक्ष या विपक्ष में क्या बोलना, नहीं बोलना यह तय करें और फिर पूरी ताकत से बोलना शुरू कर दें:-

श्मशान बनाम कब्रिस्तान, हिंदुस्तान-पाकिस्तान, मंदिर बनाम मस्जिद, मजार, अजान बनाम हनुमान चालीसा, हिजाब बनाम भगवा टोपी, पट्टी, हलाल बनाम झटका, रोजी-रोटी, रोजगार बनाम त्रिशूल, 80 बनाम 20, रामजादे बनाम हराम जादे, हिन्दू बनाम मुसलमान, धोती बनाम टोपी, ओबीसी, एस सी,एस टी आरक्षण बनाम मूल ओबीसी, अन्य वंचित, दलित आरक्षण, भगवा बनाम हरा, गीता, रामायण, पुराण बनाम कुरान, बाइबल, आस्था बनाम संविधान, राष्ट्रवाद बनाम देशद्रोही।

क्या नहीं करना:-

कुछ बातें कथा,कहानियों, भाषणों में अच्छी, वहीं रहने देनी है, आप अनावश्यक बोझ दिमाग पर न डालना और न बोलना, जैसे कि हिंदुस्तान सबका है, भारतीय संस्कृति हजारों नदी-नालों का संगम है, धर्म ईश्वर तक पहुंचने व सच्चा इंसान बनने के एक नहीं अनेक मार्ग बताता है, धर्म बात-बेबात लड़ना-भिड़ना नहीं सिखाता। झूठे-ढोंगी-बेईमान लोग पाखंडी करने का रास्ता अपनाते है, यह तो भूल कर भी मत बोल देना।

कर्म करने वाले सबसे नीचे व कर्मकांड करने वाले सबसे उपर क्यों,यह कभी नहीं पूछना? दलित स्वर्ण समस्या पर भूल कर भी नही बोलना। कर्मकांड दिन दून रात चौगुन फले-फूले किन्तु इस झगड़े में नहीं कूदना। सारे नेताओं के पास विष्णु के विभिन्न अवतारों का पूरा रिकॉर्ड है लेकिन वराह अवतार की बधाई किसी को मत दे देना। डॉक्टर, इंजीनियर तो किसानों-मजदूरों-मीणा-मेहतरों-मेघवालों आदि बनें और अब कोई रोक भी नही पाता किन्तु इनको पुजारी बनाने की वकालत भूल कर भी मत कर देना।

यदि यही नहीं मानों गे तो चलते रास्ते आफत आमंत्रित कर लोगे।

–अतिथि सम्पादक,
महावीर सिंह, आई.ए.एस. (से.नि.)

राशिफल बुधवार 25 मई, 2022

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2079, उत्तराभाद्रपद नक्षत्र रात्रि 11:20 तक, प्रीति योग रात्रि 10:44 तक, विष्टि करण दिन 10:33 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मीन, बुध-वृष, गुरू-मीन, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज भद्रा प्रात: 10:53 तक है और पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:01 तक, शुभ 10:42 से 12:24 तक, चर 3:46 से 5:27 तक, लाभ 5:23 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:39, सूर्यास्त 7:08

मेष

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा।

सिंह

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा।

धनु

परिवार में वाद-विवाद टालने का प्रयास करें। आपसी मतभेद बढ़ने का भय बना रहेगा। परिवार में अनावश्यक धन खर्च होगा। व्यावसायिक विवादों का सामना करना पड़ सकता है।

वृष

आर्थिक/वित्तीय मामलों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आय में वृद्धि हो सकती है और आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

कन्या

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

मकर

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। चलते कार्यों में प्रगति होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

कर्क

धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सुसंदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

मन:स्थिति ठीक रहेगी। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

सड़क सुरक्षा, जीवनरक्षा एक चुनौती है

आवागमन के साधनों में सड़क यातायात प्रमुख स्थान रखता है। भारत में जनता की सड़क यातायात के साधनों पर 71 फीसदी व रेलवे पर 19 फीसदी निर्भरता है। सड़क परिवहन द्वारा 65: तथा रेलवे से 34: माल की ढुलाई होती है। वर्तमान में देश में 2021 में 30 करोड़ व राजस्थान में 1.5 करोड मोटर वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं। प्रतिवर्ष राज्य में 1.5 लाख नये वाहन बढ़ते जा रहे हैं। किन्तु इसके लिए आवश्यक सड़कों का जाल, नियामक तंत्र, आम जनता में यातायात के नियमों की जानकारी के अभाव में हमारी सडकें विश्व में सबसे ज्यादा असुरक्षित बनी हुयी हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यु.एच.ओ.) की रिपोर्ट के मुताबिक सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण सड़कों का खराब बुनियादी ढांचा व अंधाधुंध वाहन संचालन है। भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मृतकों की संख्या लगभग 1.5 लाख प्रति वर्ष है। इन दुर्घटनाओं से भारतीय अर्थव्यवस्था की 3-4 फीसदी की हानि होती है। एन.सी.आर.बी. के अनुसार वर्ष 2019 में भारत में प्रतिमिनट एक सड़क दुर्घटना होती है और इससे प्रति 3) मिनट में एक व्यक्ति की मौत होती है। प्रत्येक चार घायलों में से एक व्यक्ति की मौत हो जाती है।

राजस्थान में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या प्रतिवर्ष लगभग 25 हजार है जिसमें घायलों की संख्या 27 हजार तथा मृतकों की संख्या औसतन सालाना 10 हजार से अधिक है। राज्य में प्रतिदिन 63 सड़क दुर्घटनाओं में 28 व्यक्तियों की मृत्यु हो जाती है तथा 66 व्यक्ति घायल होते हैं। सड़क दुर्घटनाओं के मुख्य कारणों को आम लोगों के जीवन रक्षा के लिए जानना बहुत जरूरी है।

1. तेज गति से वाहन चलाने के कारण 22 फीसदी सड़क दुर्घटनाऐं होती हैं। अधिकतर युवाओं में तेजगति से वाहन चलाने की प्रवृति पायी जाती है।

2. विश्व में नशे में वाहन चलाने के कारण 18 फीसदी हादसे होते हैं। रात के समय होने वाली दुर्घटनाओं में नशे में वाहन चलाना मुख्य कारण होता है। कभी-कभी चालकों द्वारा पूरी नींद नहीं लेने व झपकी आने से भी गंभीर दुर्घटनाऐं हो जाती हैं।

3. वाहनों में यांत्रिक खराबी के कारण दुर्घटना घटित हो जाती है।

4. वाहन चालन के समय, तत्कालीन मौसम का प्रभाव चालक पर भी पडता है।

5. सरकार के सख्त निर्देशों के बावजूद भी लापरवाह लोग हेलमेट नहीं लगाते, अनेकों चौपहिया वाहन चालक सीटबैल्ट नहीं लगाते हैं। वाहन चलाते वक्त मोबाइल पर बात करना, दुपहिया या चौपहिया वाहनों के लिए आमबात हो गयी है।

6 सर्वाधिक सड़क दुर्घटनाऐं ट्रेफिक नियमों की, शिक्षा का अभाव होने से होती हैं।

7. सड़क उपयोगकर्ता (यूजर्स) यातायात नियमों में सजा के कड़े प्रावधान होने के बावजूद भी पालन नहीं करने के कारण सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि होती है।

8. सड़क सुरक्षा हेतु आधुनिक तकनीक से लैस तथा प्रशिक्षित कार्मिकों के साथ प्रभावी नियामक तंत्र की कमी के कारण भी सड़क दुर्घटनाऐं बढ़ती ही जा रही है।

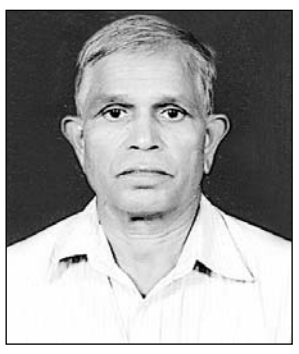

यादरामसिंह यादव

यक्ष प्रशन यह है कि आखिर इन विभिन्न कारणों से हो रही सड़क दुर्घटनाओं को कैसे रोका जाए। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जान-माल की क्षति को रोकने के लिए तरीके, यातायात प्रबन्धन में लागू कर उनमें कमी लाई जा सकती है।

1. समय-समय पर वाहनों की जांच व सर्विस करायी जाकर दुरूस्त रखने से यांत्रिक खराबी से होने वाली दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है।

2. सड़क निर्माण करते समय, यातायात इंजीनियरिंग तकनीक को आवश्यक रूप से शामिल किया जाकर, रोड डिफेक्ट्स के कारण होने वाले हादसों से बचा जा सकता है। अकसर चालक साइन बोर्डों के अभाव में गलत रास्ते पर भटककर दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं।

3. सड़क सुरक्षा शिक्षा को बढावा देने की नितान्त आवश्यकता है। शासन को स्कूल, कॉलेजों एवं अन्य सभी शैक्षिक एवं व्यावसायिक संस्थानों में 'रोड सेफ्टी एज्यूकेशन' को कोरोना सतर्कता की तरह सम्मिलित करना चाहिये। आम जनता को नुक्कड नाटकों, लघु फिल्म, टीवी व सोशल मीडिया जैसे प्लेटफार्म के जरिए जानकारी देनी चाहिए।

4. सड़क यूजर्स के व्यवहार को कन्ट्रोल करने हेतु, यातायात नियमों को सख्ती से पालन कराने की आवश्यकता है। इसके लिए यातायात सम्बन्धी अपराध करने वाले वाहन चालकों पर कड़ी कार्यवाही हेतु 'इंटेलीजेन्ट ट्रांसपोर्ट सिस्टम' का उपयोग कर दुर्घटनाओं का डाटा बेस बनाकर अध्ययन एवं सुधार करने की आवश्यकता है। हमारे देश का दुर्भाग्य है कि सम्पन्न व उच्च प्रतिष्ठित लोग नशे में वाहन चलाते वक्त चौपाटी व सड़क किनारे सो रहे लोगों को रौंद देते हैं।

5. एन.सी.आर.बी. के अनुसार दुर्घटना के बाद का पहला घंटा जिसे गोल्डन आवर कहा जाता है पीड़ित के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। समय पर प्राथमिक उपचार मिल जाने व अस्पताल पहुंचाने से पीड़ित के जीवन को 80 प्रतिशत तक बचाया जा सकता है।

6. वाहन संचालन के समय मौसम का भी ध्यान चालाकों को रखना चाहिए। यथा कोहरा, वर्षा, आंधी, तूफान, नदी नालों व ओवरब्रिजों पर रात्री के समय, शहरी क्षेत्र व वन्य क्षेत्र आदि का विशेष ध्यान रखकर वाहन संचालन करने से संभावित दुर्घटना को टाला जा सकता है।

7. नदी, नालों, सपाटों पर से पानी में गुजरते वक्त एक साथ सैंकड़ों की जान चली जाती है ऐसी स्थिति में विशेष सतर्कता रखनी चाहिए।

राजस्थान में चार वर्षों के सड़क दुर्घटनाओं में मृतकों के आंकडे दिये जा रहे हैं।

2014	10289
2018	10320
2019	10563
2021	10043 (-) 50

उपरोक्त आंकड़ों से जाहिर होता है कि सड़क दुर्घटनाओं में मृतकों की संख्या में गत वर्ष 2021 में विशेष कमी आयी है। किन्तु औसत वार्षिक आंकड़ा मृतकों का दस हजार से ऊपर ही चल रहा है, इस भयावह स्थिति के समाधान के सबसे आसान तरीका यह है कि सड़क-सुरक्षा शिक्षा के साथ आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल व पुलिस को पादरर्शिता रखते हुए, सरकारी व निजी संगठनों व आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करे । जिससे सड़क दुर्घटनाओं का आंकड़ा काफी नीचे आ जावेगा। इसमें सरकार के साथ आम जनता को अपनी साझी जिम्मेदारी निभानी होगी तभी दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है केवल सरकार के हाथों यह सड़क -सुरक्षा अभियान, आमजन के सहयोग के बिना सफल नहीं हो सकता है। दुर्घटनाओं में घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाकर जीवन रक्षा के साथ मुख्यमंत्री महोदय का प्रशंसा पात्र बन दूसरों को प्रेरित कर सकते हैं। 'मुख्यमंत्री चिरंजीवी जीवन रक्षा योजना' के तहत-प्रोत्साहन राशि भी प्राप्त कर सकते हैं। मनुष्य का जीवन अनमोल है, इसे सहेज कर रखिये।

यादरामसिंह यादव,
अधिवक्ता एवं स्वतंत्र लेखक

उप स्वास्थ्य केंद्र के लिए जमीन दान की

खिरोड़, (निसं) । झुझनू जिले की पुरोहितों की ढाणी के निवासी एवं पूर्व जिला परिषद सदस्य रामेश्वरलाल कल्याण पुत्र मनसुखराम कल्याण ने पुरोहितों की ढाणी में प्रस्तावित उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण के लिए अपनी पैतृक आवासीय भूमि में से 127.78 वर्ग गज का दान पत्र मुख्यमंत्री के सलाहकार एवं नवलगढ विधायक डॉ. राजकुमार शर्मा को भेंट किया है।

इससे पूर्व भी कल्याण ने अपनी पैतृक भूमि में से स्वास्थ्य केंद्र के लिए जमीन दान की थी। जिसका पट्टा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को सौंपा था। मगर वह भूमि उप स्वास्थ्य केंद्र के लिए कम पड रही थी। अब कल्याण ने अपनी पैतृक भूमि में से 127.78 वर्ग गज स्वास्थ्य विभाग को और दान की है। चिकित्सा विभाग के मुताबिक अब इस भूमि में उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण आसानी से हो सकेगा। ढाणी के ग्रामीणों ने ढाणी में उप स्वास्थ्य केंद्र बनने को लेकर खुशी व आभार व्यक्त किया।

पुरोहितों की ढाणी निवासी जिप सदस्य रामेश्वर लाल ने जमीन दान की।

भरतपुर रेलवे जंक्शन पर न पानी की सुविधा न बैठने की व्यवस्था

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर-रेलवे जंक्शन पर साफ सफाई की व्यवस्था और रेल यात्रियों के लिए सुविधाओं को लेकर रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य कृपाल सिंह जघीना ने 22 मई को रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया।

■ **रेलवे सलाहकार समिति सदस्य ने 22 मई को रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया**

निरीक्षण के दौरान उन्होंने देखा कि मुसाफिरों को पीने के लिए पानी की सुविधा नहीं थी। ना ही बैठने के लिए कोई निश्चित स्थान था। चारों तरफ गंदगी का आलम नजर आ रहा था। हां के विकास कार्यों में ठेकेदार द्वारा घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। इस बारे में कृपाल सिंह जघीना ने कई बार सीनियर डीसीएम से संपर्क करने की कोशिश की तो उनके द्वारा कोई भी जवाब नहीं दिया गया। मामले को लेकर रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य कृपाल सिंह जघीना ने ट्वीट कर रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव और डीआरएम कोटा सहित रेलवे के अधिकारियों को इस मामले से अवगत कराया। जहां से जवाब मिला कि आपकी समस्याओं को निस्तारण कमेटी में भेज दिया गया है और जल्द ही उनका समाधान कराया जाएगा। अब देखना यह होगा कि क्या इस मामले में अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई होगी या फिर भरतपुर स्टेशन पर अनियमितताओं का आलम ऐसे ही बना रहेगा।

नवलगढ़ में अखिल भारतीय किन्नर सम्मेलन

नवलगढ़, (निसं) झुंझुनूं के नवलगढ में किन्नर समाज का अखिल भारतीय किन्नर सम्मेलन चल रहा है। जिसमें पूरे देश से आए किन्नर शामिल हो रहे हैं। आयोजन के पहले दिन किन्नरों के द्वारा पूरे शहर में एक जूलूस निकाला गया। जिसे देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। यह जुलूस कस्बे के छोटा बस स्टैंड से शुरू हुआ। जो शहर के मुख्य मार्गों से होता हुआ, रामदेवजी के मंदिर तक पहुंचा। इस दौरान किन्नर बग्घी पर सवार होकर चल रहे थे। इसके अलावा अन्य किन्नर पैदल ही बैंड-बाजों धुन पर नाचते हुए चल रहे थे। नानसा गेट इलाके में पुष्प वर्षा कर इनका स्वागत किया गया व इनका आशीर्वाद लिया।

लोक देवता रामदेवजी के मंदिर में किन्नरों के द्वारा चुनरी और चांदी का छत्र चढाया गया। किन्नर समाज को नाचते गाते देख काफी संख्या में लोग जुटे रहे। वहीं रास्ते भर में लोग मोबाइल में वीडियो तस्वीरें बनाते दिखे। किन्नर समाज की रेशमा बाई व अंजू बुआजी ने बताया कि देश भर से किन्नर आए हुए हैं। इस सम्मेलन के जरिए अपने यजमानों की सुख समृद्धि की कामना करते हैं व उन्हें आशीर्वाद भी देते हैं। रामदेवजी के मंदिर के चौक पूजन कार्यक्रम भी हुआ। यह सम्मेलन 30 मई तक चलेगा।

■ **देशभर से आए किन्नर हो रहे हैं शामिल**

किन्नरों ने रामदेव जी के मंदिर में चुनरी और चांदी का छत्र चढ़ाया।

शादी में दूल्हे ने 2.51 लाख रुपये लौटाकर दिया संदेश

गांव तामडिया में लग्न के समय दूल्हे ने सिर्फ 251 रूपये ही लिये।

चाकसू, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के ग्राम तामडिया के राजपूत परिवार के लड़के की शादी में 251 रुपये लेकर क्षेत्र के सभी समाज के लोगों के लिए मिशाल कायम की। प्राप्त जानकारी के अनुसार तामडिया बाग की ढाणी निवासी लक्ष्मण सिंह के पुत्र मनमोहन सिंह की 21 मई को मच्छीपुरा (गंगापुरसिटी) निवासी रूपसिंह की पुत्री नीशा कंवर से शादी हुई। दुल्हन नीशा कंवर के पिता ने शादी की सारी रस्में जयपुर से की। दुल्हा बने मनमोहन के पिता लक्ष्मण सिंह ने बताया कि राजपूत समाज में बारात की अगवानी के समय दुल्हे का लग्न टीका का दस्तूर दुल्हन पक्ष के लोगों द्वारा किया जाता है।

दुल्हा मनमोहन के लग्न टीका की रस्म अदायगी में दुल्हन के पिता रूपसिंह ने 2 लाख 51 हजार रुपये भेंट किये। जिनको दुल्हा बने मनमोहन व पिता लक्ष्मण सिंह ने शगुन के नाम पर मात्र 11 रूपये लेने की मांग की। दुल्हन पक्ष के लोगों द्वारा बार-बार आग्रह करने पर 251 रूपये शगुन के तौर पर सहर्ष स्वीकार कर किए । समाज के सभी लोगों को बिना दहेज के शादियां करनी चाहिए। दुल्हे न कहा कि समाज सुधार के लिए सभी को पहल करनी चाहिए।

स्वस्थ हुई माहिनूर, पढ़-लिखकर बनेगी कोहिनूर

मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में कैशलेस हुई हार्ट सर्जरी

नागौर, (निसं)। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, राजस्थान की अवाम के जीवन को निरोगी बनाने में मिल का पत्थर साबित होती नजर आ रही है। योजना में पंजीकृत परिवार में शामिल बच्चे से लेकर वृद्धजन तक को कैशलेस उपचार का लाभ मिल रहा है। जिले के कुचेरा गांव निवासी मोहम्मद हनीफ की डेढ साल की नन्हीं-मुन्नी माहिनूर को जन्म से ही दिल में छेद की बीमारी थी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) मूंडवा टीम बी की चिकित्सक डॉ. मधु परिहार व उनकी टीम कुचेरा गांव के आंगनबाडी केन्द्र नं. 4 पर पहुंचती है और यहां सभी बच्चों की हैल्थी स्क्रीनिंग के दौरान माहिनूर के सांस फूलने की तकलीफ के बारे में चिकित्सकीय दल को बताती है । इसके बाद उच्च स्तरीय चिकित्सकीय जांच में पता चला कि उसके दिल में छेद है।

आरबीएसके चिकित्सकीय दल ने माहिनूर का हैल्थ कार्ड बनाकर उसे जोधपुर के मेडीपल्स हॉस्पिटल में उपचार के लिए रैफर किया। 10 मार्च 2022 को माहिनूर का विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने हार्ट का सफल ऑपरेशन करते हुए उसे दिल में छेद की बीमारी से निजात दिलाई। अब माहिनूर बिल्कुल ठीक है । आरबीएसके कॉर्डिनेटर डॉ. शुभकरण घोलिया ने बताया कि मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत अब तक 34 बच्चों की कैशलेस हार्ट सर्जरी की जाकर उन्हें दिल में छेद की बीमारी से निजात दिलाई जा चुकी है।

आरबीएसके में माहिनूर का उपचार किया गया।